O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination (2026 – 2027)

Class: IX **MM: 50**

Subject: Hindi (R2) **Time: 2.00Hrs.**

Name: _____ Class / Section: _____ Roll No.:_____

सामान्य निर्देश–

(1) इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'। खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक और खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण संबंधी लघूत्तरात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) खंड 'ग' में पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्न तथा खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन संबंधी दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रश्न–पत्र के चारों खंडों में प्रश्नों की संख्या 11 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खंड 'क' अपठित बोध (10 अंक)

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **1X3+1X2=5**

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार, उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं।

जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं, ताकि अपने काम से अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत–से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। सिवाय इसके कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, अन्यथा वे उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है।

यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे। जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान् और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं

को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्व भरी सावधानी से चलाने और उनका रख–रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(I) पहले वर्ग के लोग काम को किस रूप में देखते हैं ?

(क) कर्तव्य भावना के रूप में **(ख)** धन प्राप्ति के साधन के रूप में

(ग) आनंद प्राप्ति के साधन के रूप में **(घ)** समाज सेवा के रूप में

(II) कथन (A)– काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में कलाकार, विद्वान, वैज्ञानिक, परंपरागत कारीगर, कुशल मिस्त्री और इंजीनियर लोग आते हैं।

कारण (R)– क्योंकि इन वर्गों के लोग वस्तुओं को बनाने और सीखने में रुचि लेते हैं।

कूट

(क) कथन **(A)** गलत है, किंतु कारण **(R)** सही है।

(ख) कथन **(A)** और कारण **(R)** दोनों गलत हैं।

(ग) कथन **(A)** सही है और कारण **(R)**, कथन **(A)** की सही व्याख्या है।

(घ) कथन **(A)** सही है, किंतु कारण **(R)**, कथन **(A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(III) दूसरे वर्ग के लोगों के विषय में कौन–सा/से कथन सही नहीं है/हैं?

(अ) वे काम में अनुरक्त रहते हैं।

(ब) वे काम के प्रति समर्पित होते हैं।

(स) वे वस्तुओं को रूप देने में आनंद का अनुभव करते हैं।

(द) वे काम से छुटकारा पाना चाहते हैं।

कूट

(क) (अ), (ब) और (स) सही नहीं हैं।

(ख) (अ) और (ब) सही नहीं हैं।

(ग) (ब), (स) और (द) सही नहीं हैं।

(घ) केवल (द) सही नहीं है।

(IV) दूसरे वर्ग के लोग किसकी पूजा करते हैं, और उनका धन कमाने का उद्देश्य क्या है ?

(V) पहले वर्ग के लोग किसे घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

प्र0 2 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **1X3+1X2=5**

संसार में अमरता ऐसे ही लोगों को मिलती है, जो अपने पीछे कुछ आदर्श छोड़ जाते हैं, जिनका स्थायी मूल्य होता है। बहुधा यही देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति संपन्न परिवार में बहुत कम पैदा होते हैं। अधिकांश ऐसे लोगों का जन्म मध्यम वर्ग के घरों में या गरीब परिवार में ही होता है। इस तरह का पालन–पोषण साधारण परिवार में होता है और वे सादा जीवन बिताने के आदी हो जाते हैं।

मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट–सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। इन गुणों का प्रभाव उनके जीवन पर पड़ता है। ये गुण व्यक्ति को अहंकारहीन या सादा–सरल बनाते हैं। सादा जीवन या सादगी का अर्थ है, रहन–सहन, वेशभूषा और आचार–विचार का एक निर्दिष्ट स्तर। जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से अनुकरणीय हैं, प्रथम कठिन–से–कठिन परिस्थितियों में धैर्य को न छोड़ना, द्वितीय अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना।

सादगी का विचारों से भी घनिष्ठ संबंध है। सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च रखना चाहिए। व्यक्ति की सच्ची पहचान उसके विचारों और करनी (कर्म) से होती है। मनुष्य के विचार उसके आचरण पर प्रभाव डालते हैं और उसके विवेक को जाग्रत रखते हैं। विवेकशील व्यक्ति ही अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है, उन्हें अपने ऊपर हावी नहीं होने देता। सादा जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति को कभी हतप्रभ होकर अपने आत्मसम्मान पर आँच नहीं आने देनी चाहिए। सादगी मनुष्य के चरित्र का अंग है, वह बाहरी चीज नहीं है।

महात्मा गाँधी सादा जीवन पसंद करते थे और हाथ के कते और बुने खद्दर के मामूली वस्त्र पहनते थे, किंतु अपने उच्च विचारों के कारण वे संसार में वंदनीय हो गए।

(I) महापुरुष प्रायः कैसे परिवार में जन्म लेते हैं ?

(क) मध्यमवर्गीय परिवार में **(ख)** निम्नवर्गीय परिवार में

(ग) उच्चवर्गीय परिवार में **(घ)** (क) और (ख) दोनों विकल्प सहीं है

(II) निम्नलिखित कथनों को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए–

कथन अ– **हमें जीवन को सरल और सादा बनाना चाहिए।**

कथन ब– **जीवन को सरल और सादा बनाने के लिए कठिन–से–कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ना चाहिए।**

कूट

(क) (अ) और (ब) दोनों सही हैं। **(ख)** केवल कथन (अ) सही है।

(ग) केवल कथन (ब) सही है। **(घ)** (अ) और (ब) दोनों गलत हैं।

(III) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है ?

(क) सादा जीवन उच्च विचार **(ख)** मनुष्य की विचारधारा

(ग) जीवन का रहस्य **(घ)** सामाजिक स्थिति का निर्धारण

(IV) संसार में अमरता किसे मिलती है व कौन–सा गुण व्यक्ति को अहंकारहीन बनाता है ?

(V) गद्यांश के अनुसार, व्यक्ति की सच्ची पहचान किससे होती है ?

खंड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण (10 अंक)

प्र0 3 'शब्द भंडार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **1X4=4**

I 'पर्यायवाची' शब्द किसी भाषा के लिए महत्त्वपूर्ण क्यों हैं ?

II 'जंगल' के लिए प्रयुक्त होने वाले दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

III 'अंधकार' के लिए प्रयुक्त होने वाले दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

IV 'नैया पार लगना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

V 'भीगी बिल्ली बनना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प0 4 'विराम चिह्न' पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1X3=3

I जब मेरे पास रुपए होंगे; तब मैं आपकी सहायता करूँगा। वाक्य में किस विराम चिह्न का प्रयोग हुआ है?

II अरे ! वह अनुत्तीर्ण हो गया। वाक्य में किस विराम चिह्न का प्रयोग हुआ है?

III 'संक्षेप सूचक या लाघव चिह्न का प्रयोग करके एक वाक्य बनाइए।

IV त्रुटिबोधक या हंसपद चिह्न का प्रयोग करके एक वाक्य बनाइए।

प0 5 'संज्ञा एवं सर्वनाम' पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1X3=3

I 'भाववाचक संज्ञा' किसे कहते हैं ? दो उदाहरण दीजिए।

II 'सोना', चाँदी, ताँबा किस संज्ञा के उदाहरण हैं ?

III जो परिश्रम करता है वही सफल होता है। वाक्य में रेखांकित पदों में कौन–सा सर्वनाम है ?

IV 'पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए।

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक (20 अंक)

प0 6 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए– 1X4=4

मुझे आज लिखना ही पड़ेगा। अंग्रेजी के प्रसिद्ध निबंध लेखक ए.जी. गार्डिनर का कथन है कि लिखने की एक विशेष मानसिक स्थिति होती है। उस समय मन में कुछ ऐसी उमंग–सी उठती है, हृदय में कुछ ऐसी स्फूर्ति–सी आती है, मस्तिष्क में कुछ ऐसा आवेग–सा उत्पन्न होता है कि लेख लिखना ही पड़ता है। उस समय विषय की चिंता नहीं रहती। कोई भी विषय हो, उसमें हम अपने हृदय के आवेग को भर ही देते हैं। हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी काम दे सकती है। उसी तरह अपने मनोभावों को व्यक्त करने के लिए कोई भी विषय उपयुक्त है। असली वस्तु है हैट, खूँटी नहीं। इसी तरह मन के भाव ही तो यथार्थ वस्तु हैं, विषय नहीं। गार्डिनर साहब के इस कथन की यर्थाथता में मुझे संदेह नहीं, पर मेरे लिए कठिनता यह है कि मैंने उस मानसिक स्थिति का अनुभव ही नहीं किया है, जिसमें भाव अपने आप उत्थित हो जाते हैं। मुझे तो सोचना पड़ता है, चिंता करनी पड़ती है परिश्रम करना पड़ता है, तब कहीं मैं एक निबंध लिख सकता हूँ। आज तो मुझे विशेष परिश्रम करना पड़ेगा, क्योंकि मुझे कोई साधारण निबंध नहीं लिखना है। आज मुझे नमिता और अमिता के लिए आदर्श निबंध लिखना होगा। नमिता का आदेश है कि मैं 'दूर के ढोल सुहावने होते हैं' इस विषय पर लिखूँ। अमिता का आग्रह है कि मैं 'समाज–सुधार' पर लिखूँ, ये दोनों ही विषय परीक्षा में आ चुके हैं और उन दोनों पर आदर्श निबंध लिखकर मुझे उन दोनों को निबंध–रचना का रहस्य समझाना पड़ेगा।

I ए. जी. गार्डिनर के अनुसार, लिखने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण क्या है ?

(क) विषय का चुनाव (ख) विशेष मानसिक स्थिति

(ग) कठिन परिश्रम (घ) परीक्षा का दबाव

II गद्यांश में 'हैट' और 'खूँटी' के उदाहरण से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है ?

(क) हैट को खूँटी पर कैसे टाँगें (ख) विषय ही सब कुछ है

(ग) मन के भाव महत्त्वपूर्ण हैं, विषय गौण है (घ) लिखने के लिए खूँटी का होना ज़रूरी है

III लेखक के निबंध लिखने के तरीके के बारे में कौन–सा कथन सही है ?

(क) लेखक को लिखते समय किसी भी प्रकार की चिंता नहीं होती।

(ख) लेखक के मन में भाव स्वतः ही उत्पन्न हो जाते हैं।

(ग) लेखक को लिखने के लिए बहुत सोचना, चिंता करना और परिश्रम करना पड़ता है।

(घ) लेखक केवल नमिता के लिए निबंध लिखना पसंद करता है।

IV कथन (A)– लेखक को आज विशेष परिश्रम करना पड़ेगा।

कारण (R)– क्योंकि लेखक को नमिता और अमिता के लिए परीक्षा के दृष्टिकोण से आदर्श निबंध लिखने हैं।

कूट

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

प07 गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए– 2X3=6

I ईश्वर ने बैलों को वाणी दी होती, तो झूरी से दूर जाते समय वे क्या कहते ?

II 'दो बैलों की कथा' पाठ के अनुसार गया कौन था? गया द्वारा हाँके जाने पर बैल क्या करते थे?

III काँजीहाउस किसे कहते हैं? वहाँ पशुओं के साथ कैसा व्यवहार होता है? ''दो बैलों की कथा' पाठ के आधार पर लिखिए।

IV 'क्या लिखूँ' पाठ के अनुसार तर्क सहित बताइए कि वृद्धों के लिए उनका 'अतीत' वर्तमान से अधिक प्रिय क्यों होता है ?

प0 8 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए– 1X4=4

समाचार कहि जनक सुनाए। जेहि कारन महीप सब आए।।
सुनत बचन फिरि अनत निहारे। देखे चापखंड महि डारे।।
अति रिस बोले बचन कठोरा। कहु जड़ जनक धनुष कै तोरा ।।
बेगि देखाउ मूढ़ न त आजू। उलटउँ महि जहँ लहि तव राजू ।।
अति डरु उतरु देत नृपु नाहीं। कुटिल भूप हरषे मन माहीं।।
सुर मुनि नाग नगर नर नारी। सोचहिं सकल त्रास उर भारी।।
मन पछिताति सीय महतारी। बिधि अब सँवरी बात बिगारी।।
भृगुपति कर सुभाउ सुनि सीता। अरध निमेष कलप सम बीता।
सभय बिलोके लोग सब जानि जानकी भीरु।
हृदयं न हरषु बिषादु कछु बोले श्रीरघुबीरु ।।

I 'कहु जड़ जनक धनुष कै तोरां' पंक्ति में परशुराम जी का संबोधन किस भाव को प्रकट करता है ?

(क) करुणा का भाव (ख) क्रोध का भाव
(ग) विनम्रता का भाव (घ) प्रेम का भाव

II पद के अनुसार, सभा में उपस्थित कुटिल राजा मन–ही–मन प्रसन्न क्यों हुए ?

(क) क्योंकि उन्हें परशुराम जी का आगमन अच्छा लगा।
(ख) क्योंकि वे जनक की प्रशंसा कर रहे थे।
(ग) क्योंकि वे श्रीराम के संकट में पड़ने की संभावना से प्रसन्न थे।
(घ) क्योंकि वे स्वयं धनुष तोड़ना चाहते थे।

III 'अरध निमेष कलप सम बीता' पंक्ति से किसकी मनःस्थिति व्यक्त होती है ?

(क) लक्ष्मण की (ख) जनक की
(ग) सीता की (घ) विश्वामित्र की

IV कथन (A) परशुराम जी के क्रोध से पूरी सभा में भय का वातावरण उत्पन्न हो गया।
कारण (R) शिव–धनुष भगवान शिव का अत्यंत पूजनीय धनुष था, जिसके टूटने से परशुराम जी क्रोधित हो गए।

कूट

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

प0 9 पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए– 2X3=6

I कवि रैदास ने प्रभु और भक्त के संबंध को दर्शाने के लिए किन–किन उदाहरणों को लिया है ?

II कवि रैदास तीर्थ और व्रत को महत्त्व क्यों नहीं देते ?

III कवि रैदास ने भगवान को घन क्यों कहा है ?

IV श्री राम ने स्वयं को परशुराम का दास क्यों कहा ? 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए।

खंड 'घ' रचनात्मक लेखन (10 अंक)

प्र010 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 से 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– 5X1=5

क	**राष्ट्रीय एकता : हमारी पहचान–**	राष्ट्रीय एकता का तात्पर्य, राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता, राष्ट्रीय गौरव की रक्षा हेतु हमारा दायित्व
ख	**वर्षा जल का संचयन–**	भूमिका, जल संरक्षण चक्र क्या है, जल संरक्षण के उपाय, उपसंहार
ग	**मेरी अविस्मरणीय यात्रा–**	भूमिका, यात्रा का आनंद, अविस्मरणीय कैसे, उपसंहार

प011 'स्वच्छता अभियान' का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। 5X1=5

अथवा

कम खर्च करने की सलाह देते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

———00———